नए कीर्तिमान रचने की जिद • अपने आठ आविष्कारों के बूते देश में पहले स्थान पर रहा पिलानी का सीरी संस्थान

माइक्रोचिप से लेकर चंद्रयान के साउंड सेंसर तक सीरी पिलानी ने बनाए, अब 47 नए प्रोजेक्ट पर चल रहा काम

आत्मनिर्भर भारत

दैनिक भास्कर में पहली बार पढ़िए केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी) के डायरेक्टर पीसी पंचारिया की रिपोर्ट; कैसे संस्थान ने देश को इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में आत्मनिर्भर बनाया

झुंझनूं | यह 1953 की बात है। जब केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान यानी सीरी की पिलानी में नींव रखी गई। तब तमाम तरह के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और उनके छोटे छोटे पार्ट्स शत प्रतिशत रुप से विदेशों से आते थे। ऐसी परिस्थितियों में 3 लाख रुपए के बजट व 40 लोगों की टीम के साथ इस संस्थान की शुरुआत हुई और फिर इसी संस्थान ने देश के लिए छोटी सी माइक्रोचिप से लेकर चंद्रयान के लिए साउंड सेंसर तक की डिजाइन तैयार करके दी। बहुत कम लोग जानते हैं कि देश के घर घर तक रंगनी टीवी, सौर प्लेटें, गांवों में आरओ सिस्टम पिलानी के इसी संस्थान ने पहुंचाए हैं। यह सब इतना आसान नहीं था, लेकिन यहां की टीम की जिद और मेहनत ने यह साबित कर दिखाया। 40 लोगों की वह टीम आज 300 से अधिक लोगों की टीम बन चुकी है। अब यह टीम देश के लिए करीब 47 परियोजनाओं पर काम कर रही है।

जीवन को सरल बनाने वाले आविष्कार सीरी पिलानी में हुए

सोलर इनवर्टर पंप

देश के किसानों के लिए वरदान साबित हुआ सोलर इनवर्टर पंप सीरी पिलानी में ही डिजाइन व डेवलप किया गया। सौर उर्जा से चलने वाला इनवर्टर भी यहीं विकसित हुआ।

सिलकोसिस से बचाव

देश में सिलकोसिस एक गंभीर व जानलेवा बीमारी है। पिछले ही साल सीरी ने इससे बचाव के लिए स्टोन डस्ट प्रेसिपिटेटर सिस्टम का विकास किया। जिसे मजदूरों के पास लगाया जाएगा। जिससे पत्थर की स्लरी उनके फेफड़ों में नहीं जा सकेगी।

आरओ प्लांट

देश के कई गांवों व शहरों में खारे पानी की समस्या को दूर करने में सीरी का योगदान है। वहां जगह जगह लगे आरओ प्लांट के लिए इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम का विकास सीरी ने ही किया।

युवाओं के लिए अवसर: स्टूडेंट्स को दे रहे ट्रेनिंग

साइंस के क्षेत्र में बढ़ रहे युवाओं के लिए सीरी अनेक अवसर पैदा हो रहे हैं। देश में सबसे पहले बिट्स पिलानी के साथ मिल कर एमई (माइकोइलेक्ट्रॉईनिक्सस) डिग्री कार्यक्रम शुरू किया गया। आने वाले समय में देश को इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में अधिक से अधिक युवाओं की जरुरत होने वाली है।

127 स्टूडेंट्स को प्रशिक्षण दिया गया पिछले साल। इसके लिए सीरी मैनपॉवर डेवलपमेंट प्रोग्राम चला रहा है।

भविष्य के प्रोजेक्ट

47 प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है संस्थान में इस समय। इनमें कुछ प्रायोजित हैं तो कुछ परियोजनाओं से जुड़े हैं। इन सभी से ना केवल मानव जीवन सरल होगा बल्कि देश को भी कई क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलेगी।